EVENTS

Microwave antenna testing lab inaugurated in J.K. Institute

A state-of-the-art microwave antenna testing lab has been set up at the Department of Electronics and Communication (J. K. Institute of Applied Physics and Technology). The lab was inaugurated by Hon'ble Vice-Chancellor Professor Sangita Srivastava on 1st November 2022.





The new lab has been established at a cost of ₹1.62 crore with the funds provided by Department of Science and Technology (DST) under the scheme of "Fund for Improvement of Science and Technology Infrastructure (FIST)".





The newly-set up microwave antenna testing lab is one of the few in India. Now, our research scholars will not experience difficulties during the research period for study, design, implementation, and testing of the microwave antenna or any radio frequency circuit. Earlier, they had to go to other institutions like IIT Kanpur and IIT BHU.





मनोविज्ञान विभाग

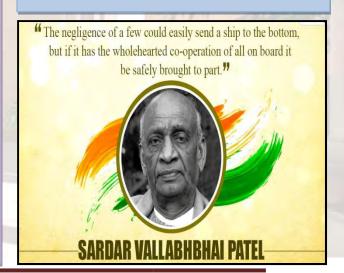
मनोविज्ञान विभाग के स्थापना दिवस 30 सितंबर पर आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की कड़ी में शुक्रवार को इंडो-श्रीलंकन सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. के. सिरि सुमेधा थेरो का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया।



'बौद्ध दर्शन के माध्यम से उच्चतम मानवीय क्षमता प्राप्त करना' विषय पर डॉ. थेरो ने बताया कि महात्मा बुद्ध के उपदेश तीन पिटकों में संकलित हैं। ये पिटक बौद्ध धर्म के आगम हैं। क्रियाशील सत्य की धारणा बौद्ध मत की मौलिक विशेषता है। उपनिषदों का ब्रह्म अचल और अपरिवर्तनशील है। बुद्ध के अनुसार परिवर्तन ही सत्य है। महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष प्रो. राममोहन पाठक ने कहा कि बुद्ध के सिद्धांतों का पालन करके ही विश्व शांति की कल्पना की जा सकती है।



अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष खरे, संचालन नेहा व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. चन्द्रांशु सिन्हा ने किया। वहीं डॉ. के. सिरि सुमेधा थेरो और प्रो. राममोहन पाठक ने कुलपित प्रो. संगीता श्रीवास्तव से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान प्रो. शेखर श्रीवास्तव, प्रो. नीना कोहली, डॉ. जय सिंह, डॉ. नर सिंह, डॉ. संदीप आनंद, डॉ. शांति सुमन, डॉ. रजनेश, डॉ. आमरीन आदि मौजूद रहे।



AU TALK Page 6